ब्रिटेन से एफटीए कालीन उद्योग के लिए वरदान

जासं, भदोही : लंबे इंतजार के बाद भारत-ब्रिटेन के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से अन्य उद्योगों के साथ-साथ कालीन उद्योग को भी मदद मिलेगी। अमेरिका के टैरिफ वार से जूझ रहे निर्यातकों का मानना है कि शुल्क मुक्त व्यवसाय किसी भी देश के उद्यमियों के लिए बहुत बड़ी राहत है। भारत से यूनाइटेड किंगडम (यूके) यानी ब्रिटेन, वेल्स, उत्तरी आयरलैंड, स्काटलैंड को कालीन निर्यात किया जाता है। कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी) के अनुसार ब्रिटेन को प्रति वर्ष 867.49 करोड़ रुपये का कालीन निर्यात किया जा रहा है। समझौता होने के बाद इसमें उछाल आना तय है। अभी ब्रिटेन में निर्यात पर आठ प्रतिशत टैरिफ शुल्क देना पड़ता है, लेकिन एफटीए लागू होने के बाद इससे मुक्ति मिल जाएगी।

अमेरिका की ओर से भारत सहित कई देशों पर भारी भरकम पारस्परिक शुल्क लगाने के बाद विश्व बाजार में अस्थिरता के हालात हैं। सबसे ज्यादा प्रभावित निर्यात परक उद्योग हो रहे हैं। ऐसे में ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौता उद्यमियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। समझौते के तहत अब कालीनों का निर्यात शुल्क मुक्त होगा। चेयरमैन कुलदीप राजवाटल ने कहा कि ब्रिटेन सहित यूके के अन्य देशों को लंबे समय से कालीन निर्यात किया जा रहा है।

शुल्क समाप्त होने से भारतीय कालीन उत्पादों की लागत घटेगी। प्रशासनिक समिति के सदस्य इम्तियाज अंसारी ने बताया कि मुक्त व्यापार समझौते से न सिर्फ व्यवसाय बढ़ेगा, अन्य देशों पर भी दबाव पड़ेगा। अमेरिका से मुक्त व्यापार समझौते की बातचीत पर इसका सकारात्मक असर पड़ेगा।

भदोही के सालिमपुर स्थित एक शोरूम में रखे कालीन उत्पाद ● जागरण

पांच वित्तीय वर्ष में निर्यात

वर्ष	निर्यात (करोड़ में)
2020-21	677.83
वर्ष 2021-22	821.88
वर्ष 2022-23	673.02
वर्ष 2023-24	816.87
वर्ष 2024-25	867.49

भदोही में बहुत बढ़िया कारपेट बनता है, भेजवाते हैं आपको भी...

संसद भवन से लेकर विश्व के धार्मिक स्थलों, प्रतिष्ठानों की शोभा बन चुके भदोही के कलात्मक कालीनों की चर्चा इस बार 'कौन बनेगा करोड़पति' के प्रमोशन में हो रही है। इस विज्ञापन की कालीन नगरी में खूब चर्चा हो रही है। केबीसी की ओर से जारी विज्ञापन में कालीन पर पैर रखकर बैठे एक व्यक्ति को यह कह कर बाहर निकाल दिया जाता है कि यह कालीन लंदन से मंगाई गई है और बहुत महंगी है। गंदे पैर रखकर बैठे हो। वह व्यक्ति कहता है, जिस तकनीक से यह कालीन बनी है, गंदा नहीं होगा। वैसे हमारे भदोही में बहुत बढ़िया कारपेट बनता है, भेजवाते हैं आपको भी। इस पर केबीसी के होस्ट अमिताभ बच्चन कहते हैं-अक्ल है, क्या अकड़ है।